वनडे वर्ल्ड कप के हिटमैन रोहित शर्मा, रिकार्ड्स की दुनिया में सचिन-वार्नर को भी छोड़ा पीछे

28 मैचों में 1575 रन, रिकार्ड 7 शतक और 54 छक्के

विश्व कप इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रोहित

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकार्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं। विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं।

विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकार्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट के मैदान पर कद का अनोखा मुकाबला, कोई 5 फीट से भी छोटा तो कोई 7 फीट से ज्यादा; दोनों ने बनाया खास मुकाम

नई दिल्ली। क्रिकेट में जब लंबे कद की बात होती है तो अक्सर तेज गेंदबाजों की तस्वीर सामने आती है, जो अपनी लंबाई का फायदा उठाकर गेंद में अतिरिक्त उछाल पैदा करते हैं। हालांकि, क्रिकेट का इतिहास यह भी बताता है कि इस खेल में सफलता के लिए कद नहीं, बल्कि तकनीक, मानसिक मजबूती और प्रतिभा ज्यादा मायने रखती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे खिलाड़ी भी रहे हैं, जिनके कद में जमीन-आसमान का अंतर था, लेकिन दोनों ने अपनी अलग खूबियों से पहचान बनाई। क्रिकेट इतिहास में सबसे छोटे कद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज क्रूगर वैन विक का नाम लिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वैन विक घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उस समय दक्षिण अफ्रीकी टीम में दिग्गज विकेटकीपर मार्क बाउचर की जगह लगभग तय थी। ऐसे में बेहतर अवसर की तलाश में उन्होंने न्यूजीलैंड का रुख किया। वर्ष 2012 में उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। विकेट के पीछे उनका छोटा कद जरूर आकर्षण का केंद्र रहता था, लेकिन फुर्ती और तकनीक के दम पर उन्होंने नौ टेस्ट मैच खेले और 31 से अधिक की औसत से रन बनाए। उन्होंने साबित किया कि क्रिकेट में कद से ज्यादा कौशल और आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले शीर्ष तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में सफलता गति के साथ-साथ अनुशासन, नियंत्रण और स्विंग से मिलती है। इतिहास के पन्नों में कुछ ऐसे महान तेज गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अकेले दम पर विरोधी टीम की कमर तोड़ दी और एक ही टेस्ट मैच में 10 या उससे अधिक विकेट चटकाकर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। इस सूची में सबसे ऊपर न्यूजीलैंड के महान आलराउंडर सर रिचर्ड हैडली का नाम चमकता है। 1973 से 1990 के बीच अपने 86 टेस्ट मैचों में हैडली ने 431 शिकार किए, लेकिन उनकी असली महानता 9 बार एक ही मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने से झलकती है। हैडली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15/123 रहा और उन्होंने 36 बार एक पारी में 5 विकेट भी लिए। आंकड़ों के लिहाज से इंग्लैंड के सिडनी बर्न्स का नाम अनूठा है। 1901 से 1914 के छोटे से दौर में बर्न्स ने सिर्फ 27 टेस्ट मैच खेले, लेकिन इनमें 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उनका गेंदबाजी औसत महज 16.43 का रहा और उन्होंने कुल 189 विकेट लिए, जिनमें 24 बार एक पारी में 5 विकेट और सर्वश्रेष्ठ 17/159 शामिल हैं। आस्ट्रेलिया के डेनिस लिली उस दौर के गेंदबाज थे, जिनकी दहाड़ से बल्लेबाज सहम जाते थे। 1971 से 1984 के बीच 70 टेस्ट मैच खेलने वाले लिली ने अपने करियर में कुल 355 विकेट झटके। उन्होंने भी सिडनी बर्न्स की तरह ही 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया। 23 बार एक पारी में 5 विकेट लेने वाले लिली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11/123 रहा।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी, दिलीप ट्राफी फाइनल के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली। लंब समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इसी माह 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही सीरीज में वापसी हो सकती है। इसका कारण ये है कि इसी दौरान एशियाई खेल भी होंगे जिसके करण कई प्रमुख गेंदबाज उसमें शामिल होने चले जाएंगे। इससे शमी की एकदिवसीय टीम में वापसी की संभावना बन रही है। भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। इसका कारण ये है कि भारतीय टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाज उस समय एशियाई खेलों के लिए जापान में होंगे। जापान में 19 सितंबर से एशियाई खेल शुरू होने हैं, जिसके कारण ही जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा इस सीरीज में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार जैसे तेज गेंदबाजी विकल्प हैं पर यदि टीम में चार तेज गेंदबाजों की जरुरत रही तो शमी को मिल सकती है जगह। इसका कारण ये है कि बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम के पास अधि अनुभव वाले तेज गेंदबाज नहीं रहेंगे।

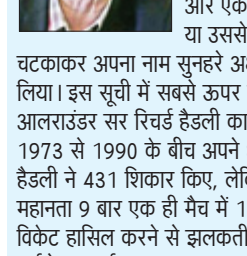

भारत ने मलेशिया को 11-1 से हराया, जूनियर एशिया कप में लगातार दूसरी जीत

मोकी (चीन)

भारत की जूनियर महिला हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए एलीट पूल के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम अब 8 सितंबर को अपने तीसरे पूल मुकाबले में जापान का सामना करेगी।

दो बार की चैंपियन और मौजूदा विजेता भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराने के बाद इस मैच में और अधिक आत्मविश्वास तथा बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में तेज आक्रमण किया तथा पेनल्टी कार्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में खाता खोला। पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद आठवें मिनट में बिनीमा धान ने गोल किया, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 17वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 21वें मिनट में सुखवीर कौर और 28वें मिनट में गीता यादव ने गोल किए। हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने एकमात्र गोल दिलाया। हालांकि, यह गोल भारतीय टीम की लय को प्रभावित नहीं कर सका। 42वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे पूजा साहू ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसके अगले ही मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में गीता यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में सानिका ने एक और गोल दागकर भारत की जीत का अंतर 11-1 कर दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अपने दोनों मैच जीतकर छह अंक हासिल कर लिए हैं और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

वनडे में उम्रदराज शतकवीरों का जलवा, 43 साल की उम्र में खुर्रम खान ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर उम्र कई बार सिर्फ एक आंकड़ा साबित हुई है। खासकर वनडे क्रिकेट में जहां युवाओं की फुर्ती, तेज रनिंग और आक्रामक बल्लेबाजी को अहम माना जाता है, वहीं कई अनुभवी खिलाड़ियों ने उम्र के ढलते पड़ाव पर भी अपनी शानदार बल्लेबाजी से इतिहास रचा है। इन खिलाड़ियों ने साबित किया कि अनुभव, तकनीक और आत्मविश्वास के दम पर बढ़ती उम्र के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन किया जा सकता है। वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची इसका बेहतरीन उदाहरण है। इस सूची में सबसे ऊपर संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व कप्तान खुर्रम खान का नाम आता है। 30 नवंबर 2014 को दुबई के आईसीसी एकेडमी मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में खुर्रम खान ने 43 साल और 162 दिन की उम्र में नाबाद 132 रन की शानदार पारी खेली थी। वनडे इतिहास के 3558वें मुकाबले में खेली गई इस पारी के साथ उन्होंने सबसे अधिक उम्र में वनडे शतक लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। उनकी बल्लेबाजी ने यह संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव और आत्मविश्वास उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ सकते हैं।
श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या भी इस सूची में शामिल हैं। 28 जनवरी 2009 को दांबुला में भारत के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 212 दिन की उम्र में 107 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 2806वें मुकाबले में जयसूर्या ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उनकी पारी ने साबित किया कि उम्र बढ़ने के बावजूद बड़े शाट खेलने की क्षमता और आत्मविश्वास बरकरार रखा जा सकता है। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने भी उम्र के इस पड़ाव पर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। 27 फरवरी 2019 को सेंट जार्जेस में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 159 दिन की उम्र में 162 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 4099वें मैच में गेल ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लिश गेंदबाजों को जमकर परेशान किया।

श्रीकांत ने अगरकर-गंभीर पर उठाए सवाल

अफगानिस्तान से हार के डर में फुल स्ट्रेंथ टीम चुनी

नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होने जा रही है। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज से पहले भारतीय टीम के चयन को लेकर पूर्व चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

उनका मानना है कि हाल में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद चयनकर्ताओं ने अफगानिस्तान के खिलाफ जोखिम नहीं लेने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम चुनी है। भारत ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अपनी मजबूत टीम घोषित की है। यही टीम आगामी एशियन गेम्स में भी हिस्सा लेने वाली है।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि आयरलैंड और इंग्लैंड में टी20 सीरीज हारने के बाद चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया। उनके मुताबिक अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ युवा खिलाड़ियों को मौका देकर भविष्य की टीम तैयार करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय पूरी ताकत वाली टीम चुनी गई। श्रीकांत ने इसे हताशा में लिया गया फैसला बताते हुए कहा कि टीम लगभग वैसी ही है, जैसी इंग्लैंड के खिलाफ चुनी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि युवा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर क्यों नहीं दिया गया। पूर्व चयनकर्ता ने जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के चयन पर भी सवाल उठाए हैं। इन चारों खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें मैदान पर उतरने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा।

श्रीकांत ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी मैच फिटनेस साबित नहीं की है। उन्होंने सवाल किया कि केवल बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस में फिटनेस साबित करने के आधार पर उन्हें मैच के लिए फिट कैसे माना जा सकता है। उन्होंने हर्षित राणा का उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड दौरे पर उनके साथ जो हुआ, उससे स्पष्ट है कि मैच फिटनेस का अलग महत्व है। श्रीकांत ने हालांकि खिलाड़ियों की क्षमता पर सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि हर्षित राणा टी20 क्रिकेट में अच्छे गेंदबाज हैं।

मैनिट में दो दिवसीय खेल उत्सव का समापन

भोपाल। ग्लोबल मैनिट एल्युमनी एसोसिएशन (जीएमएए) की ओर से मैनिट भोपाल में पहली बार आयोजित जीएमएए एल्युमनी स्पोर्ट्स मीट 2026 का रविवार को समापन हुआ। 5 और 6 सितंबर को आयोजित खेल उत्सव में देश के विभिन्न शहरों से आए 150 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। बैडमिंटन, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस और शतरंज की प्रतियोगिताएं हुईं।

बैडमिंटन में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने 100 से ज्यादा मुकाबले खेले। पुरुष 40+ एकल में नीरज मिलन और युगल में धर्मेंद्र राय-कुमार अशेष की जोड़ी विजेता रही। पुरुष ओपन एकल में हर्ष तथा युगल में सर्वेश प्रताप सिंह-नीरज मिलन ने खिताब जीता। टेबल टेनिस एकल में अनुभव सिंह और युगल में अनुभव सिंह-आयुष विजेता रहे। शतरंज में नवोदय कनौजिया तथा लॉन टेनिस एकल में मनोज कुकरेजा विजेता रहे। समापन समारोह में विजेताओं और उपविजेताओं को ट्रॉफी व मेडल दिए गए। मुख्य अतिथि अशोक जौहरी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए। जीएमएए ने आयोजन में सहयोग करने वाले पूर्व छात्रों का आभार व्यक्त किया।

कैलाश सारंग मेमोरियल लिगेसी कप में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

भोपाल। लीला'स लिगेसी बैडमिंटन अकादमी द्वारा आयोजित कैलाश सारंग मेमोरियल लिगेसी कप ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का भव्य समापन हुआ। 2 से 6 सितंबर तक चली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-9 से लेकर 60 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालक-बालिका एकल, युगल, मिश्रित युगल तथा वरिष्ठ और मास्टर्स वर्ग सहित कुल 24 श्रेणियों में मुकाबले हुए।

अंडर-15 बालक युगल का खिताब करण मखीजा और सार्थक मखीजा की जोड़ी ने जीता। अंडर-15 बालिका एकल में भूमि कौशिक विजेता रहीं, जबकि बालक एकल में अक्षय राज सक्सेना ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-11 बालिका वर्ग में याशिका चंद और बालक वर्ग में गरवित गुरनानी विजेता रहे। अंडर-9 बालक एकल में अदम्य तिवारी ने खिताब अपने नाम किया।

खुले वर्ग में मिश्रित युगल का खिताब हृषिक वर्मा और ऐश्वर्या श्रीवास्तव ने जीता, जबकि पुरुष एकल में हृषिक वर्मा विजेता रहे। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर हरमनप्रीत ने खुशी जताई, टीम मुकाबले में पूरी ताकत से उतरी थी

दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम को ये सफलता एकजुट होकर खेलने से मिली। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में पाक को सात विकेट से हराया था जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि हमने इस मैच में भी प्रकार की ढ़ील न देते हुए पूरी ताकत से प्रयास किया था।

इस मुकाबले में भारतीय स्पिनरों श्री चरणी, प्रेमा रावत, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाक महिला टीम को उसके अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद, भारतीय बल्लेबाजों ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को केवल तीन विकेट खोकर 8.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए बहुत अहम मुकाबला था। हम हमेशा आक्रामक रवैया अपनाने की बात करते हैं, और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि सभी गेंदबाजों ने अपनी अेर से काफी अच्छा खेल दिखाया। हमले जो योजना बनाथी उसपर उन्होंने पूरी तरह से अमल किया और पिच के अनुसार गेंदबाजी की। इस जीत से

हरमनप्रीत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने बतौर कप्तान अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस उपलब्धि के साथ ही वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में यह रिकार्ड बनाने वाली विश्व की पहली क्रिकेटर बन गईं। अपनी उपलब्धि पर उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंच पाऊंगी। उम्मीद है कि मैं इसी तरह अच्छा प्रदर्शन जारी रखूंगी और टीम को आगे बढ़ाती रहूंगी। गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम के 228 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से हरमनप्रीत 205 में शामिल रही हैं।

इस मैच में युवा स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में केवल सात रन देकर तीन विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गेंदबाजी कोच की सलाह को देते हुए कहा, मैं क्षेत्ररक्षण के अनुसार गेंदबाजी करना चाहती थी, जिससे गेंद पर ज्यादा प्रभाव डाल सकूं।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से निराश नजर आयीं पर उन्होंने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले को सही करार दिया। फातिमा ने कहा, हमारी बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही। विकेट नया था और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे, क्योंकि हमें अपनी गेंदबाजी पर भरोसा था।